



अखिल भारतीय साधारण सभा

18 अक्टूबर 2021, दिल्ली

महामंत्री प्रतिवेदन

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ-शिक्षा, शिक्षक एवं समाज के हितार्थ सांस्कृतिक राष्ट्रभाव के वैचारिक अधिष्ठान को लेकर सतत रूप से प्रयत्नशील है। महासंघ की गत साधारण सभा दिनांक 8 नवम्बर 2020 से लेकर आज तक सम्पन्न महत्वपूर्ण गतिविधियों का संक्षिप्त वृत्त निम्न प्रकार है –

वैचारिक अधिष्ठान के कार्यक्रम

कर्तव्य बोध दिवस

12 जनवरी से 23 जनवरी (स्वामी विवेकानन्द जयन्ती से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती) के मध्य कर्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम महासंघ से संबद्ध विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं विद्यालय स्तर तक की 921 इकाइयों द्वारा 306 जिलों में सम्पन्न किये गये।

वर्ष प्रतिपदा

वर्ष प्रतिपदा पर शुभेच्छा प्रेषण विभिन्न माध्यमों से तथा विविध प्रकार के अनेक कार्यक्रम महासंघ के कार्यकर्ताओं एवं सम्बद्ध संगठनों द्वारा सम्पन्न किये गये। अनेक स्थानों पर नववर्ष के अवसर पर संगोष्ठियाँ भी आयोजित की गईं एवं रैली निकाली गईं।

गुरुवन्दन कार्यक्रम

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर महासंघ से सम्बद्ध इकाइयों द्वारा महर्षि वेदव्यास के प्रेरक जीवन के आलोक में भारतीय शिक्षक परम्पराओं का परिचय कराने के संदर्भ में अनेक स्थानों पर ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष गुरुवन्दन कार्यक्रम सम्पन्न हुए। समाज के अनेक श्रेष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन इन कार्यक्रमों में प्राप्त हुआ।

शाश्वत जीवन मूल्य - जनजागरण अभियान

शाश्वत जीवन मूल्य विषय को आधार बनाकर सम्पूर्ण देश में भारतीय जीवन मूल्यों की श्रेष्ठ परम्परा को सुदृढ़ करने के ध्येय से इसे जन जागरण अभियान के रूप में गत 7 वर्ष से चलाया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत विभिन्न माध्यम से गत एक वर्ष में 16,000 विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों तक चर्चा/व्याख्यान के माध्यम से संवाद किया गया।

एक शिक्षक-एक वृक्ष अभियान

पर्यावरण संरक्षण के इस संकल्प के अन्तर्गत सम्बद्ध संगठनों द्वारा गत एक वर्ष में 25,000 से अधिक वृक्ष लगाये गये और उनके संरक्षण का दायित्व दिया गया। पिछले वर्ष लगाये गये वृक्षों का जन्मदिन भी मनाया गया।

अनूठी पहल कार्यक्रम

शिक्षा समावेशी, सर्वस्पर्शी, सर्वसुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण हो, इसके लिए अच्छी पहल करने वाले महानुभावों के कार्य को मान्यता मिले, इसके लिए अनूठी पहल कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। इसके अन्तर्गत इन कार्यों का प्रचार-प्रसार करना एवं उनमें सहयोग देना तथा उनसे प्रेरणा लेना लक्ष्य रहा।

समसामयिक विषयों पर अपना पक्ष रखना

विश्वविद्यालय, राज्य एवं केन्द्र स्तर पर ऐसे समूह गठित करने का कार्य किया गया। परिणामस्वरूप अनेक समसामयिक विषय जैसे धारा

370 का उन्मूलन, CAA, NRC, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, NPST, ब्लेन्ड मोड ऑफ टीचिंग एवं लर्निंग, पाठ्यचर्या एवं नियम सामग्री का निर्माण, एकेडेमिक बैंक ऑफ क्रेडिट आदि विषयों पर महासंघ का पक्ष तार्किक एवं सुदृढ़ ढाँग से विभिन्न मंचों पर रखा गया।

सामाजिक सरोकार एवं सामाजिक समरसता

सम्बद्ध संगठनों द्वारा समाज से जुड़ने के अनेक कार्यक्रम इस वर्ष हाथ में लिये। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक में प्रतिभा सम्मान, विभिन्न राज्यों में सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान, गुजरात में विद्यार्थियों के लिए व्यक्तित्व विकास शिविर, जल संरक्षण, राजस्थान एवं गुजरात में समरसता दिवस कार्यक्रम, राजस्थान में एक शिक्षक-एक वृक्ष, म.प्र. में गुरुषाया, कई राज्यों में रक्तदान शिविर, पर्यावरण रैली जैसे अनेक कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

‘शिक्षा भूषण’ अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान

छठा ‘शिक्षा भूषण’ अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान, विक्रम संवत् 2078 का समारोह आने वाले समय में सम्पन्न होगा। इस भव्य समारोह में ‘शिक्षा भूषण’ अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान से शिक्षा क्षेत्र में असाधारण कार्य करने वाले तीन विद्वानों को सम्मानित किया जायेगा।

शिक्षक सम्मान में प्रत्येक सम्मानित शिक्षक को एक-एक लाख रुपये, एक-एक रजत चिन्ह, सम्मानपत्र, शॉल व श्रीफल प्रदान किये जाते हैं। यह सम्मान पूर्णतया शिक्षकों से जीवन में मात्र एक बार 100 रुपया प्रति सदस्य एकत्रित की जाने वाली धनराशि के अक्षय कोष (Corpus Fund) से प्राप्त व्याज की राशि से सम्पन्न करने का निर्णय लिया गया है।

अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन

‘वैश्विक परिदृश्य में एकात्म मानवदर्शन’ विषय को केन्द्र मानकर नई दिल्ली में एक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन फरवरी 2022 में सम्पन्न करने की योजना है। सम्मेलन में विश्व के अनेक देशों के विद्वानों सहित सम्पूर्ण देश के 500 से अधिक विद्वानों के भाग लेने की संभावना है। विद्वानों द्वारा एकात्म मानव दर्शन पर दो दिन गहन चिन्तन-मनन किया जायेगा और प्रस्तुत किये जाने वाले शोध पत्रों के सार को इस अवसर पर प्रकाशित शोध-सार पुस्तिका में प्रकाशित किये जाने की योजना है।

संगोष्ठियाँ

महासंघ तथा सम्बद्ध संगठनों के आतिथ्य में समसामयिक विषयों को लेकर अनेक स्थानों पर संगोष्ठियाँ सम्पन्न हुईं। राष्ट्रीय स्तर पर सम्पन्न करियर महत्वपूर्ण गोष्ठियों में से प्रमुख हैं। वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में शिक्षा विचार पर पुनरुत्थान विद्यापीठ की कुलगुरु डॉ. इन्दुमती काटटरे जी, डॉ. अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर राजस्थान क्षेत्र के कार्यवाह श्री हनुमान सिंह राठौड़, स्वदेशी पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा, गुरु परम्परा पर श्री हनुमान सिंह राठौड़, हिन्दी दिवस पर केन्द्रीय हिन्दी संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय, शिक्षा के बदलते स्वरूप पर अखिल भारतीय सम्पर्क प्रमुख प्रो. अनिरुद्ध देशपाण्डे जी, राष्ट्रीय विकास की वर्तमान समय में प्रासंगिकता विषय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र संबंधित डॉ. बजरंग लाल गुप्त जी, शैक्षिक संस्थानों में मानवाधिकार की प्रासंगिकता पर डॉ. ओम प्रकाश व्यास का मार्गदर्शन मिला।

श्री दत्तोपतं ठेंगड़ी जन्मशती समारोह कार्यक्रम

नवम्बर 2021 तक चलने वाले जन्मशती कार्यक्रम के अन्तर्गत सम्बद्ध संगठनों द्वारा शिक्षकों के मध्य जनजागरण अभियान चलाया गया, साहित्य एकत्रित करने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र की अवधारणा विषय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह मा. डॉ. मनमोहन वैद्य जी का, विकास की अवधारणा विषय पर अखिल भारतीय सम्पर्क प्रमुख प्रो. अनिरुद्ध देशपाण्डे जी का तथा तीसरा पर्याय विषय पर आर्गेनाइजर के सम्पादक श्री प्रफुल्ल केतकर जी, मा. दत्तोपतं ठेंगड़ी जी की दृष्टि में भारतीय कला पर प्रो. रजनीश शुक्ल का ऑनलाइन उद्बोधन हुआ और उनके द्वारा सहभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। राज्य स्तरीय संगठनों एवं विश्वविद्यालय संगठनों द्वारा अनेक कार्यक्रम सम्पन्न किये गये।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

29 जुलाई 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार किये जाने पर महासंघ ने त्वरित कार्यवाही प्रारम्भ की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रथम चरण के रूप में इस नीति की सही जानकारी सभी शिक्षकों को हो इसके लिए ऑनलाइन बेबीनार आयोजित करने का निर्णय लिया गया। 27 राज्यों के राज्यस्तरीय संगठनों एवं अनेक विश्वविद्यालय संगठनों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के जनजागरण अभियान में हजारों की संख्या में शिक्षकों ने सहभागीता की। यह प्रथम चरण 15 सितम्बर को पूरा किया गया।

इसके दूसरे चरण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन की रूपरेखा निर्धारित करने एवं केन्द्र एवं राज्य सरकारों को उस कार्ययोजना को प्रस्तुत करने का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। इसके लिए विद्यालयी शिक्षा के पाँच विशेषज्ञ समूह एवं उच्च शिक्षा के नौ विशेषज्ञ समूह बनाये गये थे जिन्होंने इन समूहों के द्वारा निकाले गये निष्कर्षों को शासन के समक्ष प्रस्तुत किया गया। राज्य स्तरीय तथा विश्वविद्यालयों में शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिनमें हजारों शिक्षकों ने भाग लिया।

कोविड-19 में सम्पन्न कार्य

कोविड-19 के कारण उत्पन्न वैश्वक महामारी के दौरान महासंघ के सम्बद्ध संगठनों ने अद्भुत कार्य किया है और संवेदनशीलता एवं मानवीयता के श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किये हैं। कृतिपय कार्यों का उल्लेख करना समीचीन होगा-

सम्पूर्ण देश के अन्तर्गत सभी सम्बद्ध संगठनों द्वारा स्वेच्छा से एक दिन का वेतन राज्य सरकार को एवं प्रधानमंत्री के यर फंड में मुक्त हस्थ से योगदान किया गया।

सम्बद्ध संगठनों द्वारा लॉकडाउन के दौरान बड़ी मात्रा में राशन वितरण, खाने के पैकिट्स का वितरण, सेनीटाइजेशन एवं स्वच्छता कार्य सम्पन्न किया। इसके साथ ही शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन कक्षाएँ, काउन्सिलिंग आदि के कार्य किये गये।

प्रकाशन

‘शैक्षिक मंथन’ मासिक पत्रिका का पिछले 15 वर्षों (जनवरी 2007 से नियमित) से प्रकाशन हो रहा है।

कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग

कार्यकर्ताओं की गुणवत्ता, कार्य शैली, कार्य व्यवहार एवं ध्येय स्मरण हेतु विभिन्न सम्बद्ध राज्यस्तरीय संगठनों एवं विश्वविद्यालय संगठनों द्वारा विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण वर्ग एवं प्रदेश कार्यकर्ता अभ्यास वर्गों का ऑनलाइन अथवा प्रत्यक्ष रूप से आयोजन किया गया। इनमें महासंघ के पदाधिकारियों ने भाग लिया। अखिल भारतीय स्तर पर 11 एवं 12 जून 2021 को अखिल भारतीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग ऑनलाइन सम्पन्न हुआ।

शिक्षा समूह बैठक

महासंघ के प्रतिनिधियों ने को ऑनलाइन सम्पन्न शिक्षा समूह की बैठक में भाग लिया तथा विभिन्न विषयों पर महासंघ का दृष्टिकोण रखा।

समन्वय बैठक

महासंघ के प्रतिनिधियों ने 5 जनवरी 2021 को अहमदाबाद में सम्पन्न अखिल भारतीय समन्वय बैठक में भाग लिया तथा विभिन्न विषयों पर महासंघ का दृष्टिकोण रखा।

महिला समन्वय

अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीय दृष्टिकोण रखने वाले संगठनों की महिला कार्यकर्ताओं के प्रबोधन हेतु प्रतिवर्ष कार्यशाला एवं बैठक सम्पन्न होती है। इस वर्ष 27, 28 एवं 29 अगस्त 2021 को इन्दौर में सम्पन्न अखिल भारतीय महिला समन्वय कार्यशाला एवं बैठक में तथा 9 व 10 अक्टूबर 2021 को दिल्ली में आयोजित महिला समन्वय बैठक में शैक्षिक महासंघ से सम्बद्ध संगठनों की महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक

30 व 31 जनवरी 2021 को कर्णावती में प्रत्यक्ष तथा 13 जून 2021 को ऑनलाइन अ.भा. कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें शिक्षक समस्याओं के साथ विभिन्न सम्पन्न कार्यक्रमों तथा आगामी कार्यक्रमों की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श होकर निर्णय लिए गये।

केन्द्रीय कार्यकर्ता बैठक

महासंघ की केन्द्रीय कार्यकर्ता बैठक 14 दिसम्बर 2020, 15 मई 2021, 13 जुलाई 2021 को ऑनलाइन बैठक सम्पन्न हुई। अनेक वैचारिक विषयों पर बैठक में मन्थन हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सरकार्यवाह माननीय डॉ. मनमोहन वैद्य जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

अखिल भारतीय कार्यसमिति बैठक

18 अप्रैल 2021 को महिला संवर्ग, 23 अप्रैल को उच्च शिक्षा संवर्ग, 29 अप्रैल को प्राथमिक संवर्ग एवं माध्यमिक संवर्ग की ऑनलाइन बैठक हुई।

सम्बद्धता

इस अवधि में 4 नये विश्वविद्यालय तथा 1 राज्य स्तरीय संगठन को महासंघ की संबद्धता प्रदान की।

संगठनात्मक

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का संगठनात्मक व्याप बढ़ रहा है। 27 राज्य (केन्द्र शासित प्रदेशों सहित) के 39 राज्यस्तरीय संगठन एवं 96 विश्वविद्यालयों में महासंघ का कार्य नियमित रूप से चल रहा है। 120 से अधिक अन्य विश्वविद्यालयों में हमारा नियमित सम्पर्क है। महासंघ के कार्यवृद्धि हेतु पूर्णकालिक कार्यकर्ता एवं विस्तारक योजना पर कार्य प्रारम्भ हुआ है।

अखिल भारतीय शोध पत्र लेखन प्रतियोगिता 2021

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के समर्थ भारत आयाम द्वारा एक अखिल भारतीय शोध पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन शिक्षकों के लिए किया गया। यह प्रतियोगिता दो वर्गों यथा विद्यालयीन शिक्षक तथा महाविद्यालय-विश्वविद्यालय शिक्षक के लिए सम्पन्न दोनों के शोध पत्र के अलग-अलग चार-चार विषय रखे गये थे। प्रतिभागियों को हिन्दी-अंग्रेजी या किसी भी क्षेत्रीय भाषा में शोध पत्र लिखने की छूट दी गई थी। दोनों श्रेणियों में अलग-अलग प्रथम पुरस्कार 21,000/- द्वितीय पुरस्कार 15,000/- तृतीय पुरस्कार 11,000/- तथा 5100/- रुपये के प्रत्येक श्रेणी में 7 सांत्वना पुरस्कार रखे गये थे। 1949 शिक्षकों ने इसमें सहभागिता की। 31 अगस्त 2021 को दोनों श्रेणियों में 10-10 पुरस्कारों की घोषणा की। इन पुरस्कारों को शीघ्र ही समारोहपूर्वक दिया जायेगा। शेष शिक्षकों को सहभागिता का प्रमाण-पत्र प्रदान किया जायेगा। परिणाम घोषणा कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख माननीय सुनील भाई मेहता जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

टोली बैठक

- महासंघ की 27 जनवरी 2021, 10 मई, 31 जुलाई, 10 सितम्बर एवं 7 अक्टूबर को विभिन्न विषयों पर विचार करने के लिए केन्द्रीय टोली की बैठक सम्पन्न हुई।
- विद्यालय संवर्ग की 29 अप्रैल 2021, 4 व 5 जून को टोली बैठक सम्पन्न हुई।
- महिला संवर्ग की 19 मई एवं 31 अगस्त को टोली बैठक सम्पन्न हुई।
- एन.आई.टी. शिक्षकों की 23 मार्च 2021, 23 अप्रैल तथा 20 मई को टोली बैठक सम्पन्न हुई।

मीडिया प्रकोष्ठ

अखिल भारतीय स्तर के साथ-साथ राज्यस्तर पर मीडिया टोली का गठन किया गया। मीडिया टोली की अखिल भारतीय स्तर पर 6 बैठक सम्पन्न हुई। इसके अलावा 10,11,12 एवं 13 मई 2021 को क्षेत्रशः बैठक भी सम्पन्न हुई। दिनांक 17 एवं 18 जून 2021 को दो दिवसीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें महासंघ के पदाधिकारियों के अलावा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख माननीय सुनील अम्बेकर जी, माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. जी. सुरेश, आर्गेनाइजर के सम्पादक श्री प्रफुल्ल केतकर का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। श्री रोहित कौशल का भी कार्यशाला में उद्बोधन मिला।

शैक्षिक प्रकोष्ठ

शैक्षिक प्रकोष्ठ की 3 बैठकें इस अवधि में सम्पन्न हुई। राज्य संगठनों एवं विश्वविद्यालय संगठनों से शैक्षिक कार्यों में रुचि रखने वाले शिक्षकों को जोड़ा गया। कई सम-सामयिक विषयों पर शैक्षिक प्रकोष्ठ द्वारा विमर्श किया गया। 26 अप्रैल 2021 को 'शोध विषयों का चयन किस प्रकार हो तथा इसमें हमारी क्या भूमिका हो', विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

प्रशिक्षण एवं विशेष रूप से कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग की सम्पूर्ण रूपरेखा के निर्माण का कार्य प्रशिक्षण प्रकोष्ठ ने प्रारम्भ किया गया है। महासंघ के वैचारिक अधिष्ठान के आलोक में प्रशिक्षण का कार्य परिणामपरक रूप से चले इसके लिए प्रयास प्रारम्भ हुए हैं।

पुस्तक विमोचन

महिला संवर्ग के कार्यक्रम में 'नारी : भारतीय दृष्टि और भविष्य' पुस्तक का विमोचन मा. शांतका जी प्रमुख संचालिका, राष्ट्र सेविका समिति के द्वारा 19 जुलाई 2021 को ऑनलाइन सम्पन्न हुआ। बड़ी संख्या में शिक्षक इस कार्यक्रम में सहभागी हुए।

स्वतन्त्रता का अमृत महोत्सव

स्वतन्त्रता का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की विषयवस्तु 16 अगस्त 2021 को सम्पन्न कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख माननीय सुनील भाई मेहता द्वारा रखी गई।

शिक्षक समस्याओं के समाधान का प्रयास

शिक्षा मंत्री को लिखे गये पत्र – महासंघ द्वारा अनेक विषयों के सम्बन्ध में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल ‘निशंक’ एवं श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी को पत्र प्रेषित किये गये। कक्षा कक्ष अध्यापन एवं ऑनलाइन अध्यापन की उचित मिश्रित स्वरूप, ऑनलाइन टीचिंग के प्रशिक्षण की व्यवस्था, ओरियेन्टेशन एवं रिफ्रेशर कोर्सेज में दिसम्बर 2021 तक छूट प्रदान करने, सहायक प्रोफेसर की भर्ती के लिए पी.एचडी. की अनिवार्यता में छूट की अवधि बढ़ाने, यू.जी.सी. रेगूलेशन 2018 में सी.ए.एस. के लिए 17 जुलाई तक की शिथिलता को आगे बढ़ाने, वेतन विसंगति समिति की सिफारिशों को तुरन्त प्रभाव से जारी करने तथा वेतन विसंगतियों को दूर करने के बिंदु महत्वपूर्ण थे। महासंघ की माँग पर सहायक प्रोफेसर की भर्ती के लिए पी.एचडी. की अनिवार्यता से 30 जून 2023 तक छूट प्रदान की गई है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष को लिखे गये पत्र – अनेक विषयों जैसे ओरिएन्टेशन एवं रिफ्रेशर कोर्सेज के लिए दिसम्बर 2021 तक छूट प्रदान करने, सहायक प्रोफेसर की भर्ती के लिए पी.एचडी. की अनिवार्यता में छूट प्रदान करने, यू.जी.सी. रेगूलेशन 2018 में सी.ए.एस के लिए 17 जुलाई 2021 की शिथिलता को आगे बढ़ाने, वेतन विसंगति समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने, वेतन विसंगतियों को तुरन्त दूर करने, महाराष्ट्र राज्य के प्राध्यापकों के एम.फिल. योग्यता के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रदान करने आदि के सम्बन्ध में पत्र लिखे गये एवं बात भी की गई। कुछ बिन्दुओं पर उन्होंने सकारात्मक निर्णय करने का आश्वासन दिया।

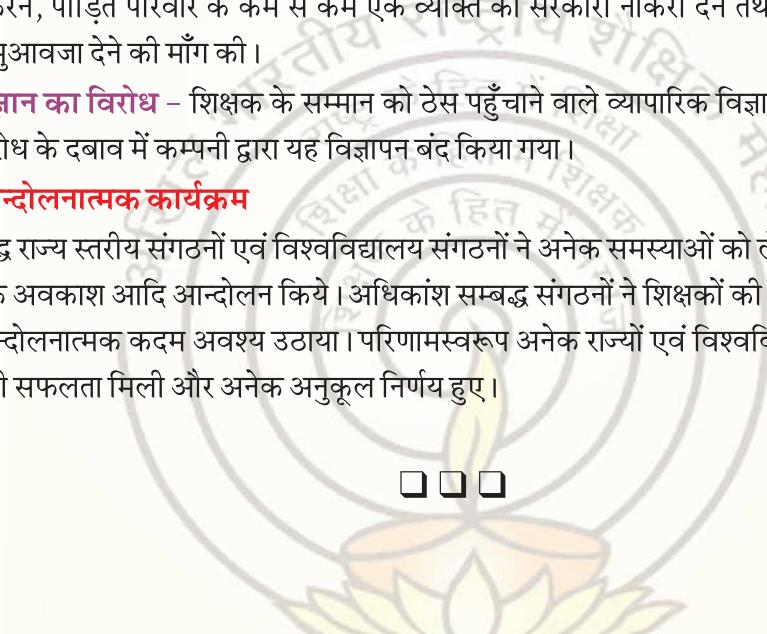
कश्मीर घाटी में शिक्षकों की निर्मम हत्या के विरुद्ध कार्यवाही – कश्मीर घाटी में दो शिक्षकों को विद्यालय से निकालकर बर्बर तरीके से की गई निर्मम हत्या के विरोध में महासंघ के आह्वान पर सम्पूर्ण देश में कक्षा विरोध किया गया तथा इन शिक्षकों के परिवारों को समुचित सुरक्षा प्रदान करने, पीड़ित परिवार के कम से कम एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने तथा प्रत्येक परिवार को कम से कम एक करोड़ की धनराशि का मुआवजा देने की माँग की।

विसलेरी के विज्ञान का विरोध – शिक्षक के सम्मान को ठेस पहुँचाने वाले व्यापारिक विज्ञापन का महासंघ के आह्वान पर सम्पूर्ण देश में विरोध हुआ। विरोध के दबाव में कम्पनी द्वारा यह विज्ञापन बंद किया गया।

सम्बद्ध संगठनों के आन्दोलनात्मक कार्यक्रम

महासंघ से सम्बद्ध राज्य स्तरीय संगठनों एवं विश्वविद्यालय संगठनों ने अनेक समस्याओं को लेकर शासन को ज्ञापन, विरोध प्रदर्शन, रैली, धरने एवं सामूहिक अवकाश आदि आन्दोलन किये। अधिकांश सम्बद्ध संगठनों ने शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के प्रयासों के क्रम में कोई न कोई आन्दोलनात्मक कदम अवश्य उठाया। परिणामस्वरूप अनेक राज्यों एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की समस्याओं के समाधान करने में अच्छी सफलता मिली और अनेक अनुकूल निर्णय हुए।




शिवानन्द सिंदनकेरा
(शिवानन्द सिंदनकेरा)

अ.भा. महामंत्री